समापण भाषण

माननीय सदस्यगण,

सप्तदश बिहार विधान सभा का द्वितीय सत्र दिनांक 19 फरवरी, 2021 से प्रारम्भ होकर आज दिनांक 24 मार्च, 2021 को समाप्त हो रहा है । इस सत्र में कुल-22 (बाईस) बैठकें हुई ।

सत्र के प्रथम दिन दिनांक 19 फरवरी, 2021 को महामहिम राज्यपाल द्वारा बिहार विधान मंडल के सह-समवेत बैठक में दोनों सदनों के सदस्यों को विस्तारित भवन के सेन्ट्रल हॉल में संबोधित किया गया एवं अन्य बैठकें सभावेश्म में हुई । सप्तदश बिहार विधान सभा के बहुजन समाज पार्टी के एक मात्र सदस्य श्री मो० जमा खान द्वारा जनता दल (यूनाईटेड) विधायक दल में विलय किए जाने के अनुरोध पर भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के अधीन बहुजन समाज पार्टी विधायक दल का जनता दल (यूनाईटेड) विधायक दल में विलय की सूचना से सदन को अवगत कराया गया । इसी दिन प्रभारी मंत्री, वित्त एवं वाणिज्यकर विभाग द्वारा महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित बिहार कराधान विवादों का समाधान (द्वितीय) अध्यादेश, 2020 तथा प्रभारी मंत्री शिक्षा विभाग द्वारा महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् (संशोधन-2) अध्यादेश, 2020 की प्रति सदन पटल पटल पर रखी गयी । प्रभारी मंत्री, वित्त विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 के आर्थिक सर्वेक्षण की प्रति सदन पटल पर रखी गयी तथा कुल-08 (आठ) जननायकों के निधन के प्रति शोक-प्रकाश किया गया एवं दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गयी ।

दिनांक 22 फरवरी, 2021 को प्रभारी मंत्री, वित्त विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक को सदन में उपस्थापित करते हुए बजट भाषण दिया गया ।

महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर माननीय सदस्य, श्री प्रेम कुमार द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर दिनांक 22 फरवरी, 2021 को वाद-विवाद प्रारम्भ हुआ और यह दिनांक 23 फरवरी, 2021 को भी जारी रहा । जारी वाद-विवाद का उत्तर दिनांक 23 फरवरी, 2021 को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया तत्पश्चात धन्यवाद प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

दिनांक 24 फरवरी, 2021 को वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक से संबंधित द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरण को सदन में उपस्थापित किया गया ।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक पर हुए सामान्य विमर्श का उत्तर दिनांक 25 फरवरी, 2021 को माननीय प्रभारी मंत्री वित्त विभाग द्वारा दिया गया ।

दिनांक 26 फरवरी, 2021 को वित्तीय वर्ष 2020-21 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी में सम्मिलित नगर विकास एवं आवास विभाग के अनुदान की माँग पर वाद-विवाद हुआ तथा सरकार के उत्तर के बाद माँग स्वीकृत हुई एवं शेष माँगे गिलोटीन (मुखबंध) के माध्यम से स्वीकृत हुई । तत्पश्चात संबंधित विनियोग विधेयक भी स्वीकृत हुआ ।

दिनांक 04 मार्च, 2021 को अमर कथा शिल्पी और महान साहित्यकार स्वर्गीय फणीश्वर नाथ रेणु के जन्म शताब्दी जयंती पर आसन एवं सम्पूर्ण सदन की ओर से शत्-शत् नमन और वंदन किया गया ।

दिनांक 08 मार्च, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आसन तथा सदन की ओर से महिला माननीय सदस्यों सहित राज्य की सभी महिलाओं को शुभकामनाऐं दी गयी ।

दिनांक 17 मार्च, 2021 को माननीय प्रभारी मंत्री, वित्त विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 1984-85 के अधिकाई व्यय विवरण को सदन में उपस्थापित किया गया ।

दिनांक 23 मार्च, 2021 को प्रभारी मंत्री, वित्त विभाग द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद- 151(2) के अनुसरण में बिहार सरकार का 31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष 2017-18 का सामान्य, सामाजिक एवं आर्थिक प्रक्षेत्र पर प्रतिवेदन एवं सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों पर प्रतिवेदन तथा बिहार सरकार का 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष 2018-19 के ''वित्त लेखे (खण्ड-1 एवं 2)'', ''विनियोग लेखे'' तथा ''राज्य का वित्त'' जिसे बिहार विधान मंडल के समक्ष रखने के लिए भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने महामहिम राज्यपाल के पास भेजा है, की प्रति सदन पटल पर रखी गयी तथा प्रतिवेदनों को लोक लेखा एवं सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति द्वारा विचार किये जाने के पूर्व जनता में बिक्री के लिए प्राप्य हो का प्रस्ताव प्रभारी मंत्री वित्त विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया जो सदन द्वारा स्वीकृत हुआ ।

प्रभारी मंत्री वित्त विभाग द्वारा बिहार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 के परिणाम बजट एवं ग्रीन बजट पुस्तिका की प्रति, वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के जेंडर बजट एवं बाल कल्याण बजट पुस्तिक की एक-एक प्रति सदन पटल पर रखी गयी ।

इसी दिन प्रभारी मंत्री, संसदीय कार्य विभाग द्वारा राजकीय संकल्प का प्रस्ताव यथा- कवि कोकिल ''विद्यापति'' के नाम पर दरभंगा हवाई अड्डा का नाम ''विद्यापति एयरपोर्ट'' किये जाने के लिए भारत सरकार से सिफारिश करने हेतु प्रस्तुत किया गया जिसे सदन द्वारा पारित किया गया ।

इस सत्र में निम्न राजकीय विधेयकों को स्वीकृति मिली :-

1) बिहार विनियोग विधेयक, 2021.
2) बिहार विनियोग (संख्या-2) विधेयक, 2021.
3) बिहार लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक, 2021.
4) बिहार कराधान विवादों का समाधान विधेयक, 2021.
5) बिहार विनियोग अधिकाई व्यय (1984-85) विधेयक, 2021.

6) बिहार नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2021.

7) बिहार सिविल न्यायालय विधेयक, 2021.

8) बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस विधेयक, 2021.

9) बिहार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2021.

10) बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् (संशोधन) विधेयक, 2021.

11) बिहार राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021.

12) पटना विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021.

13) बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (संशोधन) विधेयक, 2021

14) बिहार पंचायत राज (संशोधन) विधेयक, 2021.

दिनांक 24 मार्च, 2021 को बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न हुई । माननीय सदस्य श्री महेश्वर हजारी एवं माननीय सदस्य श्री भूदेव चौधरी के पक्ष में अलग-अलग नामांकन प्राप्त हुए थे । निर्वाचन के क्रम में विभाजन की प्रक्रिया अपनाई गई जिसमें श्री महेश्वर हजारी 124 (एक सौ चौबीस) मतों से निर्वाचित हुए । श्री महेश्वर हजारी बिहार विधान सभा के 18वें (अठारहवें) उपाध्यक्ष चुने गए ।

सत्र के दौरान कुल-4397 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें 3616 प्रश्न स्वीकृत हुए । स्वीकृत प्रश्नों में 78 अल्पसूचित, 3075 तारांकित एवं 463 प्रश्न अतारांकित थे । सदन में उत्तरित प्रश्नों की संख्या-377, सदन पटल पर रखे गए प्रश्नोत्तर 132, उत्तर संलग्न प्रश्नों की संख्या-1922, अपृष्ठ प्रश्नों की संख्या-130, शेष 1055 प्रश्न अनागत हुए तथा 2847 प्रश्नों के उत्तर ऑन-लाईन माध्यम से प्राप्त हुए ।

इस सत्र में कुल-375 ध्यानाकर्षण सूचनाएँ प्राप्त हुई, जिनमें 41 वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुए, 326 सूचनाएँ लिखित उत्तर हेतु संबंधित विभागों को भेजे गये तथा 08 अमान्य हुए ।

इस सत्र में कुल-743 निवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 720 स्वीकृत हुए एवं 23 अस्वीकृत हुए । कुल-334 याचिकाएँ प्राप्त हुई, जिनमें 290 स्वीकृत एवं 44 अस्वीकृत हुई । इस सत्र में कुल-102 गैर सरकारी संकल्प की सूचना पर सदन में चर्चा हुई ।

इस सत्र के दौरान माननीय सदस्यों द्वारा शून्यकाल के माध्यम से जनहित के कतिपय मामले उठाये गये एवं विभिन्न विभागों के प्रतिवेदन, नियमावली, अधिसूचना की प्रति तथा बिहार विधान सभा के विभिन्न समितियों के प्रतिवेदन सदन पटल पर रखे गये ।

इस सत्र के दौरान प्रत्येक दिन के प्रश्नकाल सहित सदन की अन्य महत्वपूर्ण कार्यवाहियों का प्रसारण आकाशवाणी केन्द्र, पटना तथा डीडी बिहार चैनल, दूरदर्शन केन्द्र, पटना द्वारा किया गया । साथ ही साथ इसका सीधा वेबकास्टिंग भी किया गया । इससे जुड़े कर्मचारी एवं पदाधिकारीगण धन्यवाद के पात्र हैं ।

सत्र के संचालन में सहयोग के लिए माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्रीगण, माननीय मंत्रीगण, नेता, विरोधी दल एवं अन्य दलीय नेताओं के साथ ही पक्ष-प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यों का मैं आभारी हूँ । पत्र प्रतिनिधियों, समाचार एजेंसी, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन ने जनमानस के बीच सदन की कार्यवाही सफलता से ले जाने का कार्य किया, उन्हें मैं साधुवाद देता हूँ ।

सभा के कार्य संचालन में सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा बिहार सरकार के पदाधिकारियों/कर्मचारियों सहित पुलिस बल के जवानों ने तत्परता, लगन और निष्ठा से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन किया, इसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं ।

माननीय सदस्यगण, हर्ष एवं उल्लास का पर्व होली आसन्न है । इस अवसर पर आप सभी माननीय सदस्यों के साथ सम्पूर्ण बिहारवासियों को सदन की ओर से मैं शुभकामनाएँ देता हूँ । मेरी यह कामना है कि यह त्योहार समस्त बिहार के लोगों के जीवन में खुशहाली लाए ।

मां शारदा भवानी की आराधना से इस लोकतंत्र के मंदिर में पवित्र भावना से समभाव और सद्भाव से हमने कार्य प्रारंभ किया । आप सबों के सहयोग से 19 फरवरी से जो यह सदन शुरू हुआ वह 19 मार्च तक बहुत ही तरीके से सुचारू रूप से चला । सदन प्रारंभ के पूर्व ही सभी विभागों के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सभी प्रश्नों के जवाब ससमय आयें इसको सुनिश्चित करने का प्रयास किया । सभी माननीय मंत्रियों से भी हमने आग्रह किया कि वे मोनेटरिंग करें और इस मोनेटरिंग का परिणाम निकला कि कई दिन 90 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक विभाग के जवाब आये । मैं सरकार को धन्यवाद देता हूं कि माननीय सदस्यों की प्रश्नों के प्रति जब गंभीरता दिखी तो उसने सकारात्मक और कारगर कार्रवाई की । विभाग के पदाधिकारियों ने भी जिस जिम्मेवारी के साथ काम किया है वे धन्यवाद के पात्र हैं । जिस विभाग ने सबसे बेहतर काम किया है उनको मैं विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं ।

प्रेस मीडिया के बंधुओं ने भी समाचारों का संकलन सकारात्मक भाव से किया । विधान सभा की गरिमा बढ़ाने में सभी का सहयोग रहा ।

कल दिनांक 23 मार्च को जो घटना घटी वह दुर्भाग्यपूर्ण थी । कारण जो भी हो परंतु यह कहीं से मर्यादित नहीं थी । इस पर हमलोग शर्मसार हुए हैं । भविष्य में ऐसी घटना फिर घटित नहीं हो, लोकतंत्र के एक प्रहरी के रूप में हम सबलोगों को सजग रहने की जरूरत है ।

हमारा भी अध्यक्ष के रूप में पहला अनुभव है, हम आत्मनिर्भर बिहार की ओर कदम बढ़ाने के लिये सभी को मिल कर चलने का भाव रखते हैं ।

आसन बिना दबाव के विधायकों के द्वारा लाये गये जनहित के विषय को गंभीरता से लेता है और जनहित की समस्याओं के समाधान के लिये आवश्यकतानुसार निर्देश के रूप में सरकार से आग्रह भी करता है ।

माननीय सदस्यगण, इससे पहले कि मैं सदन की कार्यवाही स्थगित करूं, इस सत्रावधि में कतिपय जननायकों के निधन की सूचना मिली है जिनके प्रति शोक प्रकट करना हमारा कर्त्तव्य है ।